पीपल्दा विधान सभा में इटावा पंचायत समिति क्षेत्र के प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में भाषण

- विकेन्द्रीकृत शासन भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी सफलता है जो पंचायत स्तर पर लोगों को राष्ट्र निर्माण में भाग लेने और इस दिशा में योगदान करने के लिए सशक्त बनाता है। हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार पंचायत हैं। आज हम देख रहे हैं कि पंचायतें अपने पारंपरिक सिविल कार्यों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि अब वे विकास संबंधी अधिक से अधिक जिम्मेदारियां उठा रही हैं। पंचायती राज संस्था की शुरुआत से ही इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि स्थानीय स्तर के लोग भारतीय लोकतांत्रिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

- मेरा दृढ़ विश्वास है कि शासन में लोगों की भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गुणवत्ता को मापने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। इस प्रयोजन से, हम लोकतंत्र के सभी कार्यकलापों में सहभागी लोकतंत्र को बढ़ावा देकर समावेशी शासन स्थापित करने का प्रयास करते हैं। लोकतंत्र में विश्वास तभी और अधिक मजबूत होता है जब आम नागरिकों, महिलाओं और वंचित वर्ग में सरकार को जवाबदेह ठहराने की क्षमता होती है और वे शासन की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पूरी तरह से सक्षम होते हैं।

- पिछले कुछ वर्षों के दौरान जमीनी स्तर पर स्थानीय नेताओं द्वारा अच्छा काम करने के कारण ग्रामीण लोगों के जीवन में बहुत से सामाजिक परिवर्तन आए हैं और आर्थिक प्रगति हुई है। मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज यहां मौजूद इटावा पंचायत समिति क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक अपने अथक प्रयासों से इस क्षेत्र के लोगों के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाए हैं। लेकिन, मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप भारत सरकार द्वारा पंचायती राज के संबंध में समय-समय पर जारी किए जा रहे दिशा-निर्देशों का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।

- कोविड-19 के प्रकोप से निपटने में इटावा पंचायत समिति ने जो भूमिका निभाई है मैं उसकी सराहना करता हूँ। आपके प्रयासों से महामारी के दुष्प्रभावों को कम करने में काफी मदद मिली। साथ ही, मैं आप सबसे यह भी आग्रह करना चाहता हूं कि हालांकि कोविड के एक्टिव मामले कम हुए हैं फिर भी कोविड टीकाकरण अभियान के तहत पंचायत समिति के सदस्यों के टीकाकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस क्षेत्र में आप सभी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कोविड संबंधी नियमों का दृढ़ता के साथ पालन किया जाए। इसके साथ ही, इटावा

पंचायत समिति के सदस्यों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कोविड से संबंधित दायित्वों को पूरा करते हुए मातृ और शिशु स्वास्थ्य जैसे स्वास्थ्य के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र, प्रभावित न हो। इस क्षेत्र के दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को भी उचित प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

- आप सभी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुचारु रूप से कार्य करें, चिकित्सक नियमित रूप से रोगियों का उपचार करें और दवा और टीकों की कोई कमी न हो।

- मित्रो, निस्संदेह इस पंचायत समिति ने काफी प्रगति की है, लेकिन मेरा ऐसा मानना है कि अभी भी हमें एक लंबा रास्ता तय करना है। हमें अनेक क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है जैसे स्वच्छता; सुरक्षित पेयजल, स्ट्रीट लाइट, बेहतर जल निकासी प्रणाली और बारहमासी सड़कों सहित नागरिक सेवाएं; प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन; विशेष रूप से महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों जैसे वंचित वर्गों की सहायता करना; सोशल सेक्टर परफॉर्मेंस; आपदा प्रबंधन; स्वेच्छा से ग्राम पंचायतों के सहयोग के लिए तत्पर युवाओं को अवसर देना; आस-पास के क्षेत्र में राजस्व सृजन हेतु नए तरीके अपनाना; ई-शासन प्रणाली का इष्टतम उपयोग तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग की दिशा में प्रयास करना। इन सभी क्षेत्रों में सुधार से स्थानीय स्तर पर सुशासन को बढ़ावा मिलेगा।

- साथियो, कोविड-19 वैश्विक महामारी की तीसरी लहर की तीव्रता कम होने के साथ अब हमें स्कूलों को फिर से खोलने पर ध्यान देना चाहिए। यह आवश्यक है कि विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं की बजाय विद्यालय में आकर पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाले और दिव्यांग विद्यार्थियों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री-पोषण शक्ति निर्माण के लाभों को सभी विद्यार्थियों तक पहुंचाना एक चुनौती है और हम सभी को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए।

- मेरा विश्वास है कि इटावा पंचायत समिति के समर्पित प्रतिनिधिगण लोगों की जरूरतों को अधिक स्पष्टता से अभिव्यक्त करेंगे और समन्वित ढंग से भौतिक एवं वित्तीय संसाधनों को जुटाने में सक्षम होंगे। प्रतिनिधियों को यह प्रयास करना चाहिए कि महिलाओं को अपने अधिकारों एवं महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों के बारे में शिक्षित किया जाए।

- साथियो, पंचायत समिति के निर्वाचित प्रतिनिधियों को मतदाताओं द्वारा सौंपे गए दायित्व पर गर्व होना चाहिए। इन प्रतिनिधियों का देश के किसी भी अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि से कम महत्व नहीं हैं। मैं, पंचायती राज संस्थाओं हेतु पहुंच और परिचय कार्यक्रम के संबंध में विभिन्न राज्यों का दौरा करता रहा हूँ और मैंने यह पाया है कि देश में कई पंचायतों ने विशेष प्रयास किए हैं; ऐसे मॉडल तैयार किए हैं जिनको अन्य पंचायतें और ग्राम सभाएं भी अपना सकती हैं एवं सभी पंचायतों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

- साथियो, स्थानीय शासन प्रणालियां या पंचायती राज लोगों की स्थानीय आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके लिए यह आवश्यक है कि स्थानीय नेतृत्व और अधिक ऊर्जावान हो। मेरा यह भी मानना है कि आज समय की मांग यह है कि नेतृत्व को सकारात्मक दिशा में आगे ले जाने के लिए इस संबंध में स्थानीय युवाओं को शामिल किया जाए और उनको समुचित रूप से तैयार किया जाए।

धन्यवाद।